वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 155 | शनिवार 28 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में विश्व पर्यटन दिवस पर अल्बर्ट हॉल पर हुआ सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

पर्यटन को बढ़ावा देने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : उपमुख्यमंत्री, दिया कुमारी

सोशल मीडिया पर प्रमोशन करे और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दें

जयपुर. कासं

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से अल्बर्ट हॉल पर राजस्थानी लोक कलाकारों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से सराबोर सांस्कृतिक संध्या आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक संध्या में दर्शकों को जयपुर घराने का परम्परागत कथक व राजस्थानी लोक नृत्यों की जुगलबंदी ने दर्शकों को आनंदित किया। सांस्कृतिक संध्या के दौरान कालबेलिया व घूमर नृत्य की भी प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट कोरियोग्राफी को खूब सराहा गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया कन्टेन्ट क्रिएटर्स को सम्मानित किया। इसके पूर्व उन्होंने आरटीडीसी जोधपुर के मारवाड हॉल का वर्चुअल उद्घाटन किया। उपमुख्यमंत्री ने विश्वपर्यटन दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमें राजस्थान के पर्यटन, कला एवं संस्कृति पर गर्व है। हम राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाएंगे, राजस्थान को पूरी दुनिया में पर्यटन में नम्बर एक बनाएंगे। इसमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का महत्वपूर्ण रोल होगा। दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति को जयपुर यात्रा की यात्रा करवाकर, जयपुर की वैश्विक ब्रांड इमेज को चर्चा में ला दिय था। उन्होंने कहा कि जब किसी देश का राष्ट्र अध्यक्ष या और कोई बड़े व्यक्तित्व पर्यटक स्थल पर आते हैं और फोटो खिचवाते हैं तो उस देश के आम लोगों में उस स्थान के प्रति उत्सुकता बढ़ जाती है, उस स्थान पर पर्यटन एका एक बढ़ जाता है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा की आज का जमाना सोशल मीडिया का है। सोशल मीडिया के माध्यम से इन्फ्लुएंसर्स किसी भी स्थान पर्यटन को बढ़ावा देने में सक्षम हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा किसी भी पर्यटन स्थल का फोटो वीडियो बनाकर उसे त्वरित प्रभाव से आम लोगों तक पंहुचा दिया जाता है। उन्होंने यूथ का आह्वान किया कि वें हमारे राजस्थान पर्यटन के अम्बेसेडर के रूप में सोशल मीडिया और फोन के माध्यम से पर्यटन स्थल को आगे बढ़ाएं। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की इकॉनमी में पर्यटन की भागीदारी स्टेट जीडीपी की करीब 15% तक है। उन्होंने कहा कि हमारे महल, किले, बावड़ियों ऐतिहासिक स्मारकों के साथ ही हमारे यहां रूरल टुरिज्म, वाइल्डलाइफ टुरिज्म में भी पर्यटन के बहुत अवसर हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि इस साल 2024 में वर्ल्ड टूरिज्म डे की थीम 'टूरिज्म एन्ड पीस' रखी गई है। उन्होंने कहा कि दुनियां में शांति से ही पर्यटन का विकास संभव है। दिया कुमारी ने कहा कि इस साल राईजिंग राजस्थान और अगले साल मार्च 2025 में आईफा अवार्ड भी राजस्थान के पर्यटन के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। निवेशकों द्वारा आने वाले राईजिंग राजस्थान समिट में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया जाकर राज्य की आर्थिक सफलता की कहानी में भागीदार बना जा सकता है। इसी प्रकार आईफा अवार्ड्स से राज्य में पर्यटन का विकास होगा। दिया कुमारी ने कहा कि जयपुर का चार दीवारी शहर हमारी धरोहर है, युनेस्को की हेरिटेज साइट है। हम जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारे चार दीवारी शहर की विरासत को संरक्षित करें इसे विरुपित होने से बचाएं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि पर्यटन से हमें हमारे गौरवशाली इतिहास, अनूठी कला एवं संस्कृति को दुनिया में साझा करने का अवसर तो मिलता ही हैं, साथ ही हजारों, लाखो युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी मिलते हैं। दिया कुमारी ने कहा कि हम सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से भी ब्रांड राजस्थान को प्रमोट कर रहे है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही एक पर्यटन का ऐप शुरू किया जाएगा। हम तकनीक, मीडिया और सोशल मीडिया, मार्केटिंग तथा प्रचार प्रसार तथा बेहतर नीतियों और योजनाओं के माध्यम से राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाएंगे।

बड़ी संख्या में जयपुर के पर्यटक स्थलों पर उमड़ी पर्यटकों की भीड़

पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह ने बताया कि इस वर्ष विश्व पर्यटन दिवस, विभाग द्वारा टूरिज्म एण्ड पीस की थीम पर आधारित है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग घरेलू और विदेशी पर्यटकों को राज्य पर्यटन की ओर आकर्षित करने के लिए समय समय कई ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिससे वे राजस्थान की लोक कला व संस्कृति और स्वागत- सत्कार का अनुभव कर सके और राजस्थान से अमिट यादगार लेकर अपने राज्य व देशों को लौट सकें। इसी क्रम में आज भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। उपनिदेशक पर्यटन विभाग उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आमेर महल, नाहरगढ़, हवा महल, जंतर-मंतर एवं अल्बर्ट हॉल का भ्रमण करने वाले पर्यटकों का शुक्रवार को तिलक लगाकर और फूल-मालाएं पहना कर स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि स्वागत सत्कार कार्यक्रम में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग व ट्रैवल ट्रेड के प्रतिनिधियों का सहयोग दिया है। शेखावत ने बताया कि जयपुर शहर के पर्यटन स्थलों पर लोक कलाकारों द्वारा कालबेलिया नृत्य, कच्ची घोड़ी नृत्य, कठपुतली नृत्य, बहरुपिया, शहनाई वादन, आदि मनमोहक प्रस्तुतियां प्रातः काल से ही दी गई। उन्होंने बताया कि पर्यटन दिवस के अवसर पर जयपुर की विरासत के प्रति जागरुकता एवं ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग, आरटीडीसी, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ ही ट्रैवल ट्रेड के प्रतिनिधियों जैसे कि एफएचटीआर, एचआरएआर,आरएटीओ, एडीटीओआई, एफआरटीओ, एचएजे, एच एफ आर,एचओजे व गाइड एसोसिएशन सदस्यों व आई.एच.एम जयपुर के विद्यार्थियों द्वारा सवेरे 7 बजे से 9 बजे तक आमेर महल के पीछे स्थित सागर कुन्ड पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया।

जैन मंदिर जग्गा की बावड़ी का वार्षिक मेला 29 को

मुनिश्री समत्व सागर का मंगल प्रवेश आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जग्गा की बावड़ी का वार्षिक मेला 29 सितम्बर को विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ आयोजित होगा। इस आयोजन के लिए मुनिश्री समत्व सागर जी व मुनिश्री शील सागर जी का मंगल प्रवेश शनिवार को साय 5.15 बजे होगा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष दीप चंद चैकड़ायत व मानद मंत्री सुनील कुमार बख्शी ने बताया कि साम को 4 बजे आदर्श नगर के दशहरा मैदान से मुनिश्री ससंघ के साथ श्री दिगम्बर जैन मंदिर जग्गा की बाबड़ी के लिए विहार करेंगे। मार्ग में विभिन्न मंदिरों के दर्शन करते हुए मुनिश्री श्री दिगम्बर जैन मंदिर जग्गा की बावड़ी पहुंचेंगे,जहां पर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वार्षिक मेले के अवसर पर 29 सितम्बर को सुबह 8 बजे श्रीजी की शांतिधारा, 8.30 बजे विधान पूजा के बाद सुबह 10.30 बजे धर्मशाला प्रांगण में रथयात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद वर्षा जल टांके का उद्घाटन डॉ.साधना-विरेन्द्र गोदिका परिवार करेंगे। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक बालमुकुंदाचार्य, विशिष्ट अतिथि किशनपोल से भाजपा प्रत्याशी चन्द्र मोहन बटवाड़ा व सम्मानीय अतिथि जयपुर नगर निगम हैरिटेज की कार्यवाहक मेयर कुसुम यादव होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद सुबह 12.15 बजे मुनिश्री के प्रवचन व दोपहर 12.30 बजे श्रीजी के पंचामृत अभिषेक होंगे।

अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में 2 अक्टूबर को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले अर्हं ध्यान योग शिविर को सभी समाजों ने दिया समर्थन

20 हजार से अधिक लोग शामिल होने की संभावना जताई, कीर्तिनगर में आयोजित मीटिंग में सभी ने मुनि श्री से लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार 2 अक्टूबर को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में समस्त समाज को निरोगी और स्वस्थ रखने तथा मन को प्रश्नचित रखने के लिए अर्हं ध्यान योग शिविर का विशाल आयोजन होगा। इस शिविर में 20 हजार से अधिक लोगो के शामिल होने की संभावना जताई गई है। इस आयोजन में सहभागिता निभाने एवं रुपरेखा तय करने के लिए श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग मानसरोवर के तत्वावधान में मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में शुक्रवार को कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सभी समाजों एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों की एक आवश्यक मीटिंग रखी गई। आयोजन से जुड़े हुए प्रदीप जैन एवं जे के जैन नेमीसागर ने बताया कि मीटिंग में सभी समाजों के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 2 अक्टूबर को प्रातः 5.00 बजे से 7.30 बजे तक होने वाले इस ऐतिहासिक व सर्व हित के आयोजन में जैन समाज के साथ साथ अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, खण्डेलवाल समाज, ब्राह्मण समाज, पारीक समाज, पोरवाल, श्वेतांबर जैन समाज, सहित समस्त हिन्दुत्व की सोच रखने वाले सारे समाज परिवार सहित शामिल होंगे। आयोजन से जुड़े हुए प्रमोद पहाड़िया के मुताबिक इस मौके पर आर ए एस पंकज ओझा, गोपाल गुप्ता, जे डी माहेश्वरी, गब्बर कटारा, सुभाष गोयल, केदार गुप्ता, एम एल सोनी,केदार भाला, सर्वेश्वर शर्मा, कमल सचेती, राकेश शर्मा, रविन्द्र गुप्ता, राजू मंगोडीवाला, निर्मल सोगानी, मनीष विजयवर्गीय, संजय सिंह बैद, बाफना ईशा फाऊँडेशन, अतुल गुप्ता, चेतन जैन निमोडिया एवं सभी समाजों के पदाधिकारी बडी संख्या में शामिल हुए। सभी ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मीटिंग को प्रमोद पहाड़िया, प्रदीप जैन, जे के जैन नेमीसागर, सौरभ जैन, सुभाष बज सहित कई गणमान्य लोगों ने सम्बोधित किया। इस मौके पर मुनि श्री ने सभी को आशीर्वाद देते हुए अर्हं ध्यान योग के मानव के जीवन में होने वाले फायदों पर प्रकाश डाला। आयोजन से जुड़े हुए विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि पूजनीय मुनि श्री के सानिध्य में समस्त जगत को निरोगी और स्वस्थ रखने के लिए जयपुर के इतिहास में प्रथम बार सवाई मानसिंह स्टेडियम में गांधी जयंती पर यह आयोजन होगा। जैन के मुताबिक इससे पूर्व मुनि श्री के सानिध्य में देश की राजधानी दिल्ली में लाल किला, आगरा में ताज महल, खजुराहो, फतेहपुर सीकरी एवं झांसी में ''अर्हं ध्यान योग'' का विशाल आयोजन किया जा चुका है जिसमें सभी धर्मों के हजारों लोगों ने भाग लेकर लाभ उठाया है। इसी कड़ी में जयपुर में ऐतिहासिक कार्यक्रम की रुपरेखा एवं मुनिराज का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आज की यह मीटिंग रखी गई थी। इससे पूर्व राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में जयपुर के सभी जैन महिला मण्डलों, युवा मण्डलों, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सहित अन्य जैन संगठनों की मीटिंग भी मुनिश्री के सानिध्य में रखी गई। जिसमें भी सभी ने पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग मानसरोवर के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन जे के जैन नेमीसागर ने किया।

प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ जन्मकल्याणक पर हो सार्वजनिक अवकाश

धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त ने की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला जयपुर ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक चैत्र कृष्ण नवमी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की गई। उन्होंने पत्र में लिखा कि जैन धर्म में चौबीस तीर्थंकर हुए हैं। जिनमे प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव अर्थात आदिनाथ भगवान हैं। भगवान ऋषभदेव जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर जिन्हें आदिनाथ भी कहा जाता है। भगवान ऋषभदेव वर्तमान हुंडा अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर हैं। जैन धर्म अनादि काल से चला रहा है किंतु प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान को जैन धर्म के प्रवर्तक के रूप में माना जाता है। धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि धर्म जागृति संस्थान के तिजारा अधिवेशन में यह मांग पुरजोर तरीके से उठाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया था। उसी क्रम में यह पत्र लिखा गया है। पत्र में उल्लेख किया गया की भगवान आदि नाथ के सबसे बड़े पुत्र भरत प्रथम चक्रवर्ती सम्राट हुए जिनके नाम पर ही इस देश का नाम भारत वर्ष पड़ा । भगवान आदिनाथ ने ही मनुष्य को जीने की कलाए असि, मसि, कृषि, वाणिज्य, शिल्प और कला का उपदेश दिया एवं जीना सिखाया है । जैन पुराण साहित्य में अहिंसा, अस्तेय, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, भगवान आदिनाथ की ही देशनाएं है। आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक (जन्म जयंती) पर राजस्थान सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर जैन समाज की भावनाओं को राहत प्रदान करे। उन्होंने कहा कि उक्त मांग बड़े लंबे समय से की जा रही है पुनः आपसे निवेदन है कि जैन धर्म को सही पहचान वह भावनाओं के अनुरूप भगवान आदिनाथ जन्मकल्याणक पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा राजस्थान सरकार द्वारा कर एक नया अध्याय लिखा जाए। वर्तमान में भारत में जैन धर्मावलम्बी अल्पसंख्यक श्रेणी में आते है और उनके हितों की रक्षा एवं उनकी भावनाओं का सम्मान करना आपका दायित्व बनता है। पत्र की प्रति गौतम दक राज्यमंत्री राजस्थान सरकार को भी अनुशंषा हेतु प्रेषित की गई है।

वेद ज्ञान

जब नाचते गाते मिला ईश्वर का साथ

सूफी शब्द की उत्पत्ति के कई संभावित स्रोत हैं। कुछ का कहना है कि इस शब्द का जन्म सूफ शब्द से हुआ है जिसका अर्थ होता है 'ऊन' जो पहले के इस्लामिक सूफियों या जमाल सूफ का साधारण सा वस्त्र हुआ करता था। शब्द का अर्थ सूफा या बेंच से भी लिया जा सकता है क्योंकि पहले 45 चिकित्सकों द्वारा मदीना में पैगंबर के द्वार पर बेंच का इस्तेमाल बैठने में किया जाता था। वे उन बेंच पर बैठकर लगातार प्रार्थना और उपवास किया करते थे। वे अशब-ए-सूफा या बेंच के लोग कहलाए। उस मस्जिद में पैगंबर मोहम्मद के कक्ष में आज भी उन बेंचों को देखा जा सकता है। वो अल-फूकारा के नाम से भी जाने गए जो फकीर या निर्धन का बहुवचन है। पवित्र ज्ञान की खोज में, एक सूफी आकांक्षी अपनी आंतरिक जागृति को एक आध्यात्मिक गुरु को सौंप देता है जिन्हें शेख या पीर कहा जाता है। इस्लाम के कथित कठोर धार्मिक कानूनों के विपरीत कविता, नृत्य, कला, सुलेख और सार्वभौमिक प्रेम को सूफीवाद का दिल कहा गया है। सूफी परंपरा को आमतौर पर स्थानीय संस्कृतियों से अपनाया गया है ताकि लोग अपनी श्रद्धा अपनी भाषा और अपने तरीकों से अभिव्यक्त कर सकें। शायद इसलिए तुर्की जैसे देशों में व्हर्लिंग आम है और भारत में कव्वाली मुख्य रूप से आती है। इस तरह के समारोह में श्रद्धालु दिज्न्स और विचरण करती आत्मा के लिए बीच में रास्ता छोड़कर कव्वाल के दोनों ओर बैठते हैं। ऐसा माना गया है कि इस तरह के जनसमूह में आत्माओं के पोषण के लिये शर्राब-एमारीफह अर्थात आध्यात्मविद्या की शराब और शराबे शराबे-मोहब्बह अर्थात 'प्यार की शराब' को भारी मात्रा में उड़ेला जाता है। कव्वाली गायन के दौरान अगर कोई परम आनंद की अवस्था में चला जाता है तो बाकी कव्वाल उसी लाइन को तब तक दोहराते रहते हैं जब तक वह उस अवस्था से वापस सामान्य अवस्था में नहीं आ जाता। सूफीवाद में, भगवान के लिए दिव्य प्रेम और आनंदमय आत्मज्ञान का वर्णन कुछ और लोकप्रिय उपमाओं में भी किया गया है।

संपादकीय

भारत की संयम की ताकत सबसे ऊपर

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत और चीन के रिश्तों में निरंतर उतार-चढ़ाव एक जगजाहिर हकीकत है। भारत ने अपनी ओर से किसी भी समस्या के हल के लिए हमेशा सकारात्मक रुख दिखाया, मगर भारत के कदमों पर चीन की प्रतिक्रिया उत्साहजनक नहीं रही। आमतौर पर चीन ने अपनी ताकत और धौंस दिखाई है। हालांकि भारत ने हर स्थिति में संयमित प्रतिक्रिया दी और सिर्फ इस वजह से दक्षिण एशिया का यह समूचा क्षेत्र

फिलहाल शांत दिखता है। मगर इसका मतलब यह नहीं है कि भारत के पास असीमित संयम है। समस्याओं का हल निकालने के चीन के आश्वासन के प्रति भारत के लिए पूरी तरह निश्चिंत होना मुश्किल रहा है। हालांकि संबंधों में सुधार को लेकर भारत ने हमेशा ही उत्सुकता दिखाई है, लेकिन कई बार हकीकत को लंबे समय तक नजरअंदाज करना संभव नहीं हो पाता है। शायद यही वजह है कि भारत के विदेश मंत्री ने न्यूयार्क में हुए एक कार्यक्रम में स्पष्ट तौर पर कहा कि मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच संबंध ''काफी बिगड़े हुए'' हैं। लंबे समय से संबंधों को संभालने की एकतरफा कोशिश के बाद भारत की ओर से यह एक तरह से हकीकत का बयान है कि इस मामले में पिछले चार-पांच वर्षों में चीन का रवैया क्या रहा है। वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य गतिविधियों के जरिए उकसाने का मुद्दा हो या फिर अरुणाचल प्रदेश को लेकर किए गए दावों के जरिए अनुचित दखल का सवाल, चीन ने आए दिन अपनी चालबाजियों के जरिए अपना असली चेहरा दिखाया है। शांति और सहजता कायम रखने का भरोसा देने के कुछ ही दिन बाद उसकी ओर से कोई न कोई ऐसी हरकत की जाती है, जो किसी भी संप्रभु देश की सीमा में नाहक दखल ही है। सवाल है कि अगर भारत अपनी ओर से संयम और धैर्य का परिचय न दे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे हालात पैदा हो सकते हैं! यह छिपा नहीं है कि चीन अक्सर नाहक ही सीमा पर अनुचित गतिविधियों के जरिए भारत को भड़काने की कोशिश करता रहा है, मगर भारत ने 2020 में गलवान में इसका ठोस जवाब देने के अलावा अब तक अपनी प्रतिक्रिया को नियंत्रित ही रखा है, ताकि हालात और न बिगड़े। भारत के इस संयम को अगर चीन इसकी कमजोरी के तौर पर देखता है, तो यह उसकी भूल है। विदेश मंत्री ने भी इसे अपने वक्तव्य में रेखांकित किया है कि भारत और चीन के रिश्ते एशिया के भविष्य के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और न केवल इस महाद्वीप को, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करेंगे। साथ ही, अगर दुनिया को बहु-ध्रुवीय होना है, तो एशिया को भी बहु-ध्रुवीय होना होगा। मौजूदा विश्व में कोई भी देश अपने आर्थिक-सामरिक बल के बूते एक-ध्रुवीय भू-राजनीति का केंद्र बनना चाहता है, तो यह उसकी खामखयाली साबित होगी, क्योंकि वक्त के साथ अलग-अलग देशों की बहुस्तरीय क्षमताओं में व्यापक बदलाव हुआ है। विडंबना यह है कि एक शक्तिशाली देश कहे जाने के बावजूद चीन ने कभी इसके मुताबिक गरिमा का प्रदर्शन नहीं किया है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दवा के जोखिम

मरीजों का पहला भरोसा अपने चिकित्सक और उसकी लिखी दवाइयों पर होता है। कई दफा वह डाक्टर से बिना परामर्श किए दवाएं खरीद लेता है। ये दवाइयां आम चलन में होती हैं। इनमें पेट दर्द, सर्दी, खांसी और बुखार आदि की दवाएं आम हैं। मगर केंद्रीय औषधि नियंत्रण संगठन के हालिया गुणवत्ता परीक्षण में जिस तरह पचास से ज्यादा दवाइयों के नाकाम होने की खबर आई है, उससे साफ है कि इन दवाओं का सेवन जोखिम से भरा है। जांच में आम इस्तेमाल में आने वाली पैरासिटामोल, पैन डी, कैल्शियम और विटामिन डी की गोलियों के अलावा मधुमेह रोधी समेत पचास से अधिक दवाओं में कई कमियां पाई गईं, उन्हें 'मानक गुणवत्ता से रहित' बताया गया। जिन दवाइयों के किसी खास बीमारी का इलाज होने का दावा किया जा रहा था, उन्हें खतरे के वाहक के रूप में कैसे बेचा जाता रहा? पिछले महीने एक सौ छप्पन दवाओं पर रोक लगा दी गई थी जो एंटीबायोटिक्स, मल्टीविटामिन, दर्दनिवारक और सर्दी एवं बुखार में प्रयोग में लाई जा रही थीं। तब कहा गया था कि इसके इस्तेमाल से स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो सकता है। सवाल है कि जो दवाएं परीक्षण में नाकाम बताई गई हैं, अब तक उनका सेवन कितने लोग कर चुके होंगे और क्या उससे उनकी सेहत पर प्रतिकूल असर पड़ा होगा! आए दिन गुणवत्ता से संबंधित जांच में दवाओं के नमूने फेल होते रहे हैं। हालांकि दवा कंपनियां ऐसे निष्कर्षों को बहुत तरजीह देने की जरूरत नहीं समझती हैं। अब एक बार फिर जांच के दायरे में रखी गई दवाओं को बनाने वाली कंपनियों से जवाब मांगा गया है और गुणवत्ता के अनुकूल साबित नहीं होने के बाद इनके इस्तेमाल को लेकर आम लोगों को सतर्क किया गया है। मगर चिंता की बात यह है कि गुणवत्ता की कसौटी पर किसी दवा के फेल होने या घोषित रूप से उसकी बिक्री प्रतिबंधित कर दिए जाने

के बावजूद वैसी दवाएं बाजार में कैसे उपलब्ध होती हैं! सच यह है कि दवा दुकानों पर उसकी बिक्री को लेकर जमीनी स्तर पर शायद ही कोई रोकटोक होती है। समय-समय पर दवाओं के खतरनाक असर को लेकर अध्ययन सामने आते रहे हैं। ऐसे में इसका सिर्फ अंदाजा लगाया जा सकता है कि गुणवत्ता से रहित दवाइयों के दुष्परिणामों से कितने लोग प्रभावित हो रहे होंगे।

डिजिटल युग में फर्जी खबरें

डिजिटल युग में फर्जी खबरें (फेक न्यूज) एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं, जिसमें जनता को गुमराह करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बाधित करने की क्षमता है। हालाँकि, गलत सूचना को संबोधित करने में, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत गारंटीकृत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संतुलित करना आवश्यक है। चुनौती नागरिकों के असहमति व्यक्त करने या राय व्यक्त करने के अधिकार का उल्लंघन किए बिना गलत सूचना का मुकाबला करने में है अर्थात्यह सुनिश्चित करने में है कि नियामक उपाय वैध भाषण का दमन न करें। यह पवित्रता ही है जो समाचार को समाज में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। लेकिन फर्जी खबरों की परिघटना समाचार के मूल मूल्यों को निशाना बनाती है, जो असामाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों या उन उच्च और शक्तिशाली लोगों के निजी हितों को पोषित करती है, जो समाचार की आड़ में अपना निजी एजेंडा आगे बढ़ाते हैं। और जब फर्जी खबरों को डिजिटल पंख लग जाते हैं, तो यह वायरल पत्रकारिता में बदल जाती है। यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है, तो यह हिंसा और घृणा फैला सकती है, तबाही मचा सकती है और नागरिक समाज के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है। आजकल फर्जी खबरें समाचार उद्योग के साथ-साथ समाज के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई हैं। इंटरनेट क्रांति ने फर्जी खबरों को फैलाने के लिए एक नरम आधार प्रदान किया है और यह गलत सूचना, समाचार में अशुद्धि, भ्रामक समाचारों, अर्धसत्य और कभी-कभी अत्यधिक सनसनीखेज रिपोर्टिंग का प्राथमिक कारण बन गया है, जो जनता का ध्यान खींचने और उन्हें गुमराह करने के लिए किया जाता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर सूचना इतनी तेज गति से फैलती है कि विकृत, गलत या झूठी सूचना वास्तविक दुनिया में कुछ ही मिनटों में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभाव पैदा करने की जबरदस्त क्षमता रखती है। फेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग ऐप फर्जी खबरें फैलाने के लिए उपजाऊ प्लेटफॉर्म बन गए हैं। इस पृष्ठभूमि में यह पेपर फर्जी खबरों की चुनौतियों, समाज पर इसके प्रभाव, फर्जी खबरों को फैलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म को विनियमित करने में सरकार की भूमिका, सोशल मीडिया के स्व-नियमन और सबसे बढ़कर नागरिकों और युवाओं की ज़िम्मेदारी का मूल्यांकन करने का इरादा रखता है, जो देश का भविष्य हैं। गलत सूचना की समस्या का मुकाबला करने और वाक स्वतंत्रता की सुरक्षा के बीच संतुलन हासिल करने में कई दिक्कतें हैं। ''फर्जी समाचार'' या ''भ्रामक सूचना'' जैसे शब्दों के लिए स्पष्ट परिभाषाओं का अभाव कानूनी अस्पष्टता उत्पन्न करता है, जिससे वाक स्वतंत्रता संबंधी अधिकारों का उल्लंघन किए बिना सामग्री को विनियमित करना मुश्किल हो जाता है। गलत सूचना से निपटने के उद्देश्य से किए गए विनियामक उपाय अक्सर सरकारी अतिक्रमण का कारण बन जाते हैं, जहां अधिकारी फर्जी खबरों (फेक न्यूज) पर अंकुश लगाने के परिप्रेक्ष्य में असहमति की मुद्दों को दबा सकते हैं। अस्पष्ट विनियमन और कानूनी कार्रवाई के डर से व्यक्तियों में स्व-सेंसरशिप की प्रवृत्ति उत्पन्न हो सकती है विशेष रूप से मीडिया, राजनीतिक व्यंग्य या सक्रियता में, जिससे रचनात्मकता और खुले विचार-विमर्श पर असर पड़ता है। उदाहरण के लिए: व्यंग्यकार और हास्य कलाकार अस्पष्ट कानूनों के तहत नतीजों के डर से सरकारी नीतियों पर टिप्पणी करने से बच सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कानूनी समस्याओं से बचने के लिए पहले से ही सामग्री हटाने का दबाव हो सकता है भले ही सामग्री किसी कानून का उल्लंघन न करती हो, जिससे ऑनलाइन उपलब्ध राय की विविधता प्रभावित हो सकती है। ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म अपनी 'सेफ हॉर्बर' सुरक्षा खो सकते हैं, जो उन्हें उपयोगकर्ता-जनित सामग्री के प्रति उत्तरदायित्व से बचाती है। वाक स्वतंत्रता, व्यक्तियों को राय व्यक्त करने की अनुमति प्रदान करती है जो सदैव सत्यापित तथ्यों के साथ संरेखित नहीं हो सकता है, जिससे गलत सूचना और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। गलत सूचना पर नियामक नियंत्रण, अनजाने में खोजी पत्रकारिता को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है जिसमें अक्सर शक्तिशाली संस्थाओं के संबंध में असुविधाजनक सच्चाइयों को उजागर करना शामिल होता है। हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों को रोकने के लिए फर्जी खबरों (फेक न्यूज) पर अंकुश लगाना आवश्यक है परंतु अति उत्साही दृष्टिकोण वाक स्वतंत्रता सहित नागरिक स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है। कानून में स्पष्ट और विशिष्ट परिभाषाएँ होनी चाहिए कि फर्जी खबरें क्या होती हैं जो जानबूझकर फैलाई गई गलत सूचना और वैध राय के बीच अंतर स्पष्ट करना। उदाहरण के लिए: भारत यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम के समान एक रूपरेखा अपना सकता है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन किये बिना स्पष्ट रूप से अवैध सामग्री को रेखांकित करता है। सामग्री की तथ्य-जाँच के लिए स्वतंत्र, गैर-सरकारी निकायों की स्थापना से सरकारी पूर्वाग्रह का जोखिम कम हो सकता है और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकती है। आनुपातिक विनियमन: विनियामक कार्रवाई आनुपातिक होनी चाहिए और इसका परिणाम व्यापक प्रतिबंध या सामग्री को हटाना नहीं होना चाहिए। जवाबदेही और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। सामग्री हटाने के अनुरोधों के लिए न्यायिक निगरानी सुनिश्चित करने से मनमाने निर्णयों को रोकने में मदद मिलती है और व्यक्तियों के स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकारों की रक्षा होती है। गलत सूचना का दीर्घकालिक समाधान मीडिया साक्षरता में सुधार करने में निहित है, जिससे जनता को स्वतंत्र रूप से समाचार स्रोतों और सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम बनाया जा सके। डिजिटल इंडिया जैसे सरकारी कार्यक्रमों को मीडिया साक्षरता अभियान में शामिल किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को फर्जी खबरों (फेक न्यूज) की पहचान करने और उनसे बचने का तरीका सिखाया जा सके। प्लेटफार्मों और नियामक निकायों को इस संदर्भ में पारदर्शी होना चाहिए कि सामग्री को क्यों चिह्नित या हटाया गया है, तथा जनता का विश्वास बनाने के लिए स्पष्ट कारण बताए जाने चाहिए। कानून को हानिकारक गलत सूचना (जैसे, फर्जी चिकित्सा सलाह) पर अंकुश लगाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जबकि हानिरहित झूठ या राय को वाक स्वतंत्रता के तहत संरक्षित रहने की अनुमति दी जानी चाहिए। फर्जी खबरों (फेक न्यूज) के खिलाफ लड़ाई में, गलत सूचना की समस्या का मुकाबला करना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की रक्षा के बीच संतुलन हासिल करना, लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित करने के लिए आवश्यक है। पारदर्शी तथा सुपरिभाषित नियम जो सरकारी अतिक्रमण का कारण न बनें, मीडिया साक्षरता और न्यायिक निगरानी के साथ मिलकर राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता दोनों की रक्षा कर सकते हैं । यह संतुलित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करेगा कि गलत सूचना की समस्या का मुकाबला करने के साथ-साथ भारत के डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी बनी रहे।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

झड़वासा विद्यालय में आयोजित बालिका सशक्तिकरण किशोरी मेला

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। झड़वासा कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मनाया बालिका सशक्तिकरण किशोरी मेला प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने बताया की शुक्रवार को झड़वासा विद्यालय में बालिका सशक्तिकरण मेले का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम सरपंच भंवर सिंह गौड व मांगीलाल जाट ने विद्या वाहिनी माँ सरस्वती को माल्यार्पण कर दीपांजली के साथ मेले की शुरूआत की उक्त कार्यक्रम में व्याख्याता पूजा सिंहल, वरिष्ठ शिक्षक सरोज, योगेश सोनी, अनीता जैन निर्णायक रहे और प्रभारी सुदेश के निगरानी में झड़वासा विद्यालय के छात्र व छात्राओं ने हिंदी, गणित, सामाजिक ज्ञान व सामान्य विज्ञान विषयों को अलग अगल जोन में बांटकर सबंधित विषयों पर आधारित जैसे सन्धि, प्रयायवाचिक शब्द, मात्रा चक्र, संज्ञा, विलोम शब्द, पोषक तत्व, प्रदूषण, घनत्व, वायुमंडल की परतें, गणित के प्रतीक चिन्ह, मानव उत्सर्जन तंत्र व कचरा प्रबंधन आदि पर एक बढ़कर एक प्रोजेक्ट तैयार कर उसका प्रजेंटेशन भी सभी बच्चों ने मंच पर दिया उक्त कार्यक्रम में पीईईओ झड़वासा के मोतीपुरा व रसूलपुरा के छात्र छात्राओं ने भी लिया। कार्यक्रम संचालन व्याख्याता हेमराज मेघवंशी ने किया।

सीडार्ट द्वारा राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज दिनांक 27 सितम्बर 2024 को फक्कड़, झालाना डूंगरी में सीडार्ट संस्था द्वारा HSF के सहयोग से एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला की अध्यक्षता जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने की। सांसद महोदय, पं. सुरेश मिश्रा, लोकसभा सचिवालय की निदेशक डॉ. सीमा कौल सिंह, HSF से श्रीमती उषा सुब्रमनियन, UNICEF से पॉलिसी एक्सपर्ट शफकत हुसैन ने राज्य स्तरीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। SIDART की मानद सलाहकार डॉ प्रमिला संजय ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया व कार्यक्रम समन्वयक सी.पी. शर्मा सिडार्ट व HSF द्वारा चल रहे कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण किया। यूनिसेफ से पधारे पॉलिसी एक्सपर्ट शफकत हुसैन, सिडार्ट एक्सपर्ट श्रीमती सुमन के साथ कार्यशाला में पधारे सरपंचगणों के साथ पंचायती राज के सतत विकास के लक्ष्यों की प्रगति पर चर्चा की। सांसद महोदय राव राजेन्द्र सिंह ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं के क्रियान्वयन में लोकसभा सदस्य की भूमिका को लेकर चर्चा की व सिडार्ट व HSF को ऐसी कार्यशाला के आयोजन के धन्यवाद दिया। HSF से राष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में पधारी श्रीमती उषा व कार्यक्रम प्रबंधक राहुल खेड़ा ने सिडार्ट के साथ सम्पन्न हुई गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना के बारे में बताया।

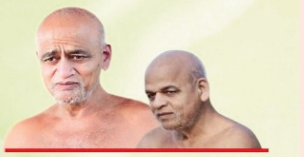

॥ देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथाय नमः॥

अर्हं योग प्रणेता

मुनिश्री 108

प्रणम्य सागर जी महाराज ससंघ

के पावन सान्निध्य में जयपुर शहर में पहली बार

श्री दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारक जी नसियाँ प्रांगण में

दोनो दिन प्रात: 6.15 बजे से 9.45 बजे तक

दिनांक 3 अक्टूबर, 2024

भगवान मुनिसुव्रतनाथ विधान

दिनांक 4 अक्टूबर, 2024

वर्धमान स्त्रोत विधान

प्रतिदिन - प्रात: 8.15 बजे से गुरुदेव का मंगल प्रवचन

विशेष... विधान में बैठने वाले महानुभावों शुद्ध भोजन की व्यवस्था रहेगी।

विधान में बैठने वाले महानुभावों की संख्या सीमित है।
अपना रजिस्ट्रेशन आज ही - अभी ही करवायें

संयोजक : रमेश बोहरा 98280 26629 • मनोज झांझरी 98290 63426
पदम बिलाला 93140-24888 • मनीष बैद 94140-16808

श्री मुनिसंघ सेवा समिति जयपुर

(बापू नगर जैन समाज द्वारा संचालित)

सुधान्शु कासलीवाल
परम संरक्षक

उमरावमल संघी
परम संरक्षक

ईजी.प्रदीप कुमार जैन
मुख्य समन्वयक

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
• राजीव जैन गाजियाबाद	• सुरेन्द्र कुमार मोदी	• नवीन संघी	• संजय पाटनी
94140-54571	86969 79825	93149-66771	93527 22022

एवं समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री मुनिसंघ सेवा समिति, जयपुर

: मुख्य संयोजक :
अतुल सौगानी
98292 89000
आलोक जैन
94140 70741
बापू नगर

अर्हं चातुर्मास समिति, जयपुर-2024
प्रबन्धकारिणी समिति
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
सुशील पहाड़िया (अध्यक्ष) 99285-57000
राजेन्द्र सेठी (मंत्री) 93149-16778
समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण
एवं
आदिनाथ महिला मण्डल, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

संगिनी मैन उदयपुर द्वारा किया गया 'तपस्वी बहुमान'

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी मैन उदयपुर द्वारा विज्ञान समिति प्रांगण में तपस्वी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवकार मंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ कर प्रतिभा सुराणा व आशा मोगरा ने मंगलाचरण एवं मंजू सरूपरिया द्वारा फेडरेशन सूत्र का वाचन किया।ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने अपने उद्बोधन में तपस्वी बहनों का अभिनंदन करते हुए जनवरी माह में ले जाई जा रही ग्रुप की सिंगापुर-मलेशिया की यात्रा एवं स्पोर्ट्स कार्निवल के बारे में विस्तृत जानकारी दी।ग्रुप की संगिनी बहनों द्वारा सिद्धी तप,दस उपवास,छठ अट्ठम,वर्षीतप आदि कई प्रकार की तप आराधना की गई उन सभी तपस्वी बहनों को मुकुट पहनाकर उपरणा, श्रीफल व उपहार देकर उनका बहुमान किया। कार्यक्रम में तपस्या का तंबोला गेम खिलाया गया व सामुहिक चौबीसी का आयोजन कर प्रभावना वितरित की गई। आभार ज्ञापन ग्रुप सचिव स्नेह लता पोरवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उर्मिला जैन, कमला नलवाया, गुण बाला जैन, शिखा स्वरूप्रिया, चंद्रकला कोठारी, कुसुम मेहता के साथ ही 92 सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम से पूर्व अल्पाहार एवं स्वरूचि भोज से कार्यक्रम का समापन किया गया।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में रहने वाले 30 जरूरतमंदो को सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

उदयपुर। ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के ग्राम बीड़ा में रहने वाले ऐसे बच्चे जो विद्यालय में जाकर शिक्षा ग्रहण कर रहे है को गणवेश के साथ पाठ्य सामग्री एवम स्कूल बैग की सेवा लायंस क्लब अजमेर आस्था के द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी के सहयोग से भेंट की गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के माध्यम से चयनित तीस बच्चो के लिए सेवा अजमेर से उदयपुर भेजी गई जिसमे गणवेश, स्कूल बैग,पाठ्य सामग्री के अलावा खाद्य सामग्री में बिस्किट एवम टाफी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बीड़ा गांव के प्रबुद्धजनों एवम विद्यालय के अध्यापक ने लायंस क्लब अजमेर आस्था के सदस्यों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

वार्षिक कलशाभिषेक समारोह का आयोजन

रजत दीपकों से भगवान की महाआरती की, मुनि सुधा सागर जी के दर्शनों के लिए बस रवाना

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में आसोज कृष्ण नवमी गुरुवार को वार्षिक कलशाभिषेक समारोह का आयोजन हुआ । वीरेंद्र बिट्टू जैन ने बताया कि गुरुवार को प्रातः भगवान चंद्र प्रभु पार्श्वनाथ आदिनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई तत्पश्चात नित्य नियम पूजा पार्श्वनाथ पूजा चंद्रप्रभु पूजा आदिनाथ भगवान की पूजा कर अर्ध्य समर्पित किए गए । सांयकाल भगवान की अष्ट द्रव्य से पूजा कर महाअर्ध्य चढ़ाया गया तत्पश्चात श्री जी को समोशरण में विराजमान कर विनोद बाकलीवाल द्वारा श्री जी का जलाभिषेक किया गया। इस अवसर पर श्री जी की माला पहनने का सौभाग्य निर्मल कुमार राजकुमार जैन चौधरी के परिवार को मिला ।रजत थाल में रजत के दीपक सजाकर भगवान की महाआरती की गई । अजय सोगानी ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम के लिए नसिया परिसर को खूबसूरत फ्लावर एवं लाइट डेकोरेशन के द्वारा सजाया गया इस अवसर पर बाबूलाल छुट्टनमल नीरज पदम सुनील मनोज दिनेश प्रियंका रीटा मधु पायल संतोष बेबी इंदिरा आदि मौजूद थे। राकेश कासलीवाल एवं पदम गोधा आलियारी वाले ने बताया कि शुक्रवार को समाज की एक बस टोंक से सागर के लिए रवाना हुई सागर में परम पूज्य मुनि पुंगव सुधा सागर महाराज के दर्शन एवं नवीन पार्श्वनाथ मंदिर में भगवान विराजमान करने के संबंध में महाराज से चर्चा की जाएगी। बस यात्री कुंडलपुर बड़े बाबा ललितपुर जैन मंदिर गोलाकोट जैन मंदिर के दर्शन करते हुए रविवार को वापसी आएंगे। इधर श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना के अध्यक्ष प्रकाश सोनी मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि साखना में 451वां वार्षिक उत्सव मेला कलशाभिषेक समारोह के लिए 29 तारीख को दोपहर में साखना अतिशय क्षेत्र पर समाज की एक मीटिंग का आयोजन रखा गया है जिसमें आगामी 17 व 18 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मेले के संबंध में चर्चा की जाएगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान महावीर के जयकारों के साथ रवाना हुई श्री महावीर जी की 38वीं पदयात्रा

पदयात्रा मोहनपुरा-दौसा-सिकन्दरा-गुढाचन्द्र जी होते हुए 2 अक्टूबर को पहुंचेगी श्री महावीर जी, पदयात्री अहिंसा एवं शाकाहार का करेंगे प्रचार-प्रसार

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के संदेश जीओ और जीने दो, अहिंसा, शाकाहार सहित जैन धर्म, जैन संस्कृति के प्रचार- प्रसार के उद्देश्य को लेकर श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में जयपुर से श्री महावीर जी की 135 किलोमीटर मार्ग की 38 वीं पदयात्रा शुक्रवार, 27 सितम्बर को दोपहर में संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं पदयात्रा के संयोजक भाग चन्द गोधा के नेतृत्व में भगवान महावीर के जयकारों के साथ संघीजी की नसिया खानिया से रवाना हुई। संघ के प्रचार प्रभारी विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि पदयात्रा रवानगी से पूर्व संघीजी की नसिया में जिनेन्द्र भगवान के सामूहिक दर्शन, आरती तथा संसार के सभी जीवों की मंगल कामना हेतु सूर्य प्रकाश छाबड़ा के निर्देशन में मंगल प्रार्थना की गई । पदयात्रा को समाजसेवी युवा समाजसेवी सुशील जैन कोटखावदा ने जैन ध्वज दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उमराव मल संघी, महेश काला, रमेश तिजारिया, राज कुमार कोठयारी, दीनदयाल पाटनी, पार्षद पारस पाटनी, महेन्द्र सिंघवी, राजीव पाटनी, गायक नरेन्द्र जैन, धर्मी चन्द कासलीवाल, नवीन जैन, शकुंतला पाण्डया, पूजा जैन सहित गणमान्य श्रेष्ठीजनो ने पदयात्रियों को दुपट्टे पहनाकर तथा पदयात्रा के

पूर्व संयोजकों सुरेश ठोलिया, कुन्थी लाल रावंका, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, सलिल जैन, महेन्द्र गिरधरवाल,अमर चन्द दीवान खोराबीसल, विनेश सोगानी, सुनील चौधरी, मैना बाकलीवाल, मनीष लुहाड़िया,राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, राज कुमार बडजात्या, विनोद जैन 'कोटखावदा', देवेन्द्र गिरधरवाल , जिनेन्द्र जैन, पवन जैन, सुशील जैन आदि ने शुभकामनाएं दीं। सायंकालीन भोजन आगरा रोड पर के एस पैराडाइज पर लिया गया। रात्रि विश्राम मंत्री फार्म हाउस पर किया गया। संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं पदयात्रा संयोजक भाग चन्द गोधा के मुताबिक पदयात्रा शनिवार 28 सितम्बर को मोहनपुरा के दिगम्बर जैन मंदिर पहुचेगी जहा पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें।तत्पश्चात धार्मिक प्रश्न मंच का आयोजन होगा। सायंकालीन भोजन बासखों रेल्वे स्टेशन के सामने होगा। रात्रि विश्राम भण्डाना के अरिहंत व्हीकल फिटनेस सेन्टर पर करेगें। रात्रि विश्राम से पूर्व हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें इंदौर के अतुल ज्वाला, मालपुरा के सूरत अजनबी एवं नीमच की डॉ. प्रेरणा ठाकरे कविता पाठ करेगें। पदयात्रा रविवार, 29 सितम्बर को प्रातः दौसा के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुचेगी जहा पर पूजा, कलशाभिषेक के बाद जैन धार्मिक हाऊजी होगी। रात्रि विश्राम काला खोह स्कूल में होगा। सहसंयोजक सुशील जैन एवं सोभाग मल जैन के मुताबिक सोमवार 30 सितम्बर को सिकन्दरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में पूजा, कलशाभिषेक करेंगे। सहसंयोजक दिनेश पाटनी एवं महेश जैन ने बताया कि मंगलवार 01 अक्टूबर को गुढाचन्द्र जी के श्री दिगम्बर जैन मंदिर पहुचेगी जहां श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाएगी। सायंकाल नादोती के श्री महावीर पब्लिक स्कूल में धार्मिक अंताक्षरी का आयोजन किया जाएगा। पदयात्रा खेडला-खेडली होते हुए बुधवार 02 अक्टूबर को श्री महावीर जी पहुचेगी। पदयात्री श्री महावीर जी में विशाल जुलूस के साथ भगवान महावीर के दरबार में पहुंच कर दर्शन लाभ लेंगे। दोपहर में पदयात्री सम्मान समारोह होगा। सायंकाल महाआरती तथा भक्ति संध्या के आयोजन किए जाएंगे। संयोजक भाग चन्द गोधा ने बताया कि गुरुवार 03 अक्टूबर को प्रातः 8.30 बजे साजो के साथ संगीतमय श्री शांति विधान पूजा का आयोजन किया जाएगा । दोपहर में 1.00 बजे पदयात्री बसों द्वारा जयपुर के लिए रवाना होकर सायंकाल जयपुर लौटेंगे। श्री जैन के मुताबिक पदयात्रा मार्ग में धार्मिक आयोजन किये जायेंगे।पदयात्रा में महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल होगी। सह संयोजक मोना जैन एवं कुसुम सेठी ने बताया कि पदयात्रा समापन पर पदयात्रियों के लिए श्री महावीरजी से जयपुर आने के लिए संघ की ओर से बसों की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी।

मुनि श्री विनय सागर जी के सानिध्य में दीक्षार्थियो की भव्य गोद भराई हुई

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी में 12 नवम्बर को होने बाली जैनेश्वरी आर्यिका दीक्षा श्री 108 आचार्य विहर्ष सागर महाराज के कर कमलो से सम्पन्न होने जा रही है । आज मध्य प्रदेश के भिंड नगर में श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान पूज्य गुरुदेव जिन मंदिर जीर्णिद्वारक संत प्रशांत मूर्ति श्रमण मुनि श्री 108 विनय सागर जी गुरुदेव के सानिध्य मे गोद भराई कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमे पुण्य शुद्धि वर्धक वषायोग कमेटी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे द्वारा सभी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के लिए अणुव्रत एवं जीवन विज्ञान की उपयोगिता

जयपुर. शाबाश इंडिया। अणुव्रत समिति जयपुर के अध्यक्ष विमल गोलछा एवं सदस्य डॉ राजेन्द्र कुमार जैन (बापुनगर) ने बताया कि अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री तत्वरूचि जी 'तरूण' के सानिध्य में श्रीमती कमला देवी बुधिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हीरापुरा, अजमेर रोड़ स्थित विद्यालय में अणुव्रत समिति जयपुर के बैनर तले विद्यार्थी चरित्र निर्माण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित 850 छात्र-छात्राओं व 30 शिक्षक -शिक्षिकाओं को अणुव्रत के संकल्प दिलवाये गये। जीवन विज्ञान एवं प्रेक्षाध्यान के विभिन्न प्रयोग करवाये गये। नशा मुक्त रहने के संकल्प दिलवाए। साथ ही मुनिश्री ने अपने उद्बोधन में कहा सुधरे व्यक्ति समाज व्यक्ति से ही राष्ट्र को सुधारा जा सकता है। बच्चों ने तन्मयता और रोचकता के साथ अणुव्रत कार्यक्रम को देखा, अणुव्रत की विद्यार्थी जीवन में प्रासंगिकता को समझने का प्रयास किया तथा संकल्प लिए। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाध्यापिका, कमलेश बार्डिया, नरेंद्र चिंडालिया, सुरेन्द्र सेठिया, रणजीत हीरावत, सौरभ जैन आदि की गरिमामयी उपस्थिति थी। यहां यह उल्लेखनीय है कि मुनि श्री द्वारा अब तक 28 विद्यालयों में चरित्र निर्माण, नशा मुक्त रहने, जीवन विज्ञान के माध्यम से शरीर को कैसे स्वस्थ रखें,के बारे में अलख जगा चुके हैं। इस तरह के कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग बीस हजार (20000) विद्यार्थी तथा 1250 शिक्षक गण लाभान्वित हो चुके हैं।

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा का वार्षिक मेला रविवार 29 को

शनिवार 28 सितम्बर को भजन संध्या एवं अति भव्य पद्मप्रभ दीप अर्चना का होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, जयपुर का शनिवार एवं रविवार को दो दिवसीय वार्षिकोत्सव 2024 मनाया जाएगा। अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी ने बताया कि मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ एवं मुनि मार्दव नन्दी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस दो दिवसीय वार्षिकोत्सव में शनिवार, 28 सितम्बर 2024 को सांयकाल 8 बजे भजन संध्या के कार्यक्रम में भजनों के साथ अति भव्य पद्मप्रभ दीप अर्चना भी आयोजित की जाएगी। गणिनी आर्यिका श्री गौरवमति माताजी द्वारा रचित यह दीप अर्चना अत्यधिक भव्य है। रविवार 29 सितम्बर को प्रातः 7 बजे मूलनायक भगवान पदमप्रभू की प्रतिमा के महाभिषेक एवं शांतिधारा होगी। प्रातः 8.30 बजे से भगवान पदमप्रभू की विशाल खडगासन प्रतिमा के पंचामृत महामस्तकाभिषेक होगें। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक दोपहर में 12.15 बजे से संगीतमय पद्मप्रभ पूजा विधान होगा ।दोपहर 2.30 बजे भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। मेला संयोजक राज कुमार सेठी ने बताया कि सायंकाल 4.00 बजे श्री जी के कलशाभिषेक होगें।

ब्यावर के लेखराज साहू को मिला राजस्थान फिल्म फेस्टिवल (RFF) व एथलेटिक इनफ्लुएंसर ऑफ द ईयर अवार्ड

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर के जीडी बढ़ाया ऑडिटोरियम में राजस्थान फिल्म फेस्टिवल सोशल स्पॉटलाइट अवार्ड सेरेमनी का आयोजन हुआ। जिसमें ब्यावर शहर की जानी मानी हस्ती सत्यप्रकाश साहू उर्फ (पिंटू साहू) के सुपुत्र लेखराज साहू को राजस्थान फिल्म फेस्टिवल सोशल स्पॉटलाइट अवार्ड व एथलेटिक इनफ्लुएंसर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस समारोह विशिष्ट अतिथि जबर सिंह खर्रा स्वायत शासन मंत्री राजस्थान सरकार , रामप्रसाद बारिया अध्यक्ष मानव सेतु फाऊंडेशन राजस्थान & राजस्थान प्रवक्ता बीजेपी राजस्थान,अपूर्वा अरोड़ा बॉलीवुड एक्ट्रेस ने शिरकत की। लेखराज साहू के अभी इंस्टाग्राम पर 1.5 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स है और इनकी आर्मी के प्रति दिलचस्पी व एथलेटिक परफॉर्म देखकर लोग इनके फैन बनते जा रहे है। लेखराज साहू की इंस्टाग्राम आईडी **racer_lekhu_1920** के नाम से है। इससे पहले भी लेखराज साहू ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर उनके कार्यक्रम भी अटेंड किए और देश के जाने माने संगीत कलाकार कन्हैया मित्तल व अन्य जानी मानी हस्तियों के साथ भी कार्यक्रम अटेंड किए हैं।

जीवन में अहंकार का स्थान नहीं होना चाहिए : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

चैन्नेई. शाबाश इंडिया

अहंकार को त्यागकर हम जीवन में प्रेम, शांति और समर्पण को स्थान दे। शुक्रवार ए एम के एम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की सत्रहवीं गाथा का स्वाध्याय हुआ। युवाचार्यश्री ने इस गाथा की महिमा बताते हुए कहा कि शास्त्रकारों ने इस गाथा में बहुत ही महत्वपूर्ण सूत्र दिया है। सफलता के सिद्धि सूत्र का अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां सिद्धि शब्द का अर्थ है जिसका प्रारंभ है और उसका अंत नहीं। जो खत्म हो जाए, वह सिद्धि नहीं। प्रभु ने जो सिद्धि प्राप्त की, वह पुरुषार्थ से प्राप्त की। प्रभु की साधना का पथ पुरुषार्थ है। उन्होंने कहा एक दूसरे का समर्थन करना आपके गृहस्थ जीवन में अति आवश्यक है। आज इगो, अहंकार के कारण आपसी संबंध खराब हो जाते हैं। यदि जीवन में आगे बढ़ना है तो एक न एक को आगे पीछे रहना ही पड़ेगा। कभी ऐसा मत सोचो मैं आगे हूं या मैं पीछे हूं। आगे पीछे होना तो जीवन का क्रम है। इसमें कोई आगे नहीं, कोई पीछे नहीं। हमें श्रेष्ठता की परंपरा को आगे बढ़ाना है। जीवन में अहंकार का स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा महावीर भगवान ने ऐसा सतत पुरुषार्थ किया और सर्वश्रेष्ठ अग्रभाग को पाया। उन्होंने कहा सिद्धशिला त्रस नाड़ी के ऊपर होता है। हमारे बीच एक ऐसा गोल है जो अधोलोक से उर्ध्वभाग के बीच है। त्रस जीव उसी गोल में रहते हैं। जो पुरुषार्थ के साथ प्राप्त किया जाता है वह आदि है, नहीं तो वह अनादि है। हमारे कर्म अनादि है। आत्मा के ऊपर कर्म का लेप लगा हुआ है। हमारी सिद्धि आदि है। व्यक्ति ब्रांडेड तब ही बनता है जब राग-द्वेष, ईर्ष्या, कटुता कम हो जाए।

आजियो ने एचएंडएम के कलेक्शन के साथ भारतीय फैशन में किया विस्तार

एचएंडएम की लॉन्चिंग के साथ फैशन बाजार में नई शुरूआत

मुंबई. शाबाश इंडिया। भारत के सबसे बड़े फैशन ई-टेलर 'आजियो' ने गुरुवार को अपने प्लेटफॉर्म पर स्वीडिश फैशन ब्रांड 'एचएंडएम' को लॉन्च करने की घोषणा की। यह साझेदारी भारतीय फैशन ई-रिटेल बाजार में एचएंडएम और आजियो, दोनों की उपस्थिति को और मजबूत करेगी। आजियो इस साझेदारी के जरिए अपने अंतरराष्ट्रीय पोर्टफोलियो को और विस्तृत कर रहा है, जबकि एचएंडएम आजियो के डिजिटल प्लेटफॉर्म और उसकी व्यापक पहुंच का लाभ उठाकर भारतीय ऑनलाइन बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य रख रहा है। एचएंडएम अपना कलेक्शन आजियो पर पेश करेगा, जिसमें महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के कपड़े व घरेलू सजावट के 10,000 से अधिक आइटम शामिल होंगे। इनकी शुरूआती कीमत 399 रुपए रखी गई है। आजियो के सीईओ, विनीत नायर ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हमने आजियो पर सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय ब्रांड लाने के लिए फैशन के क्षितिज को आगे बढ़ाया है। हम नए ग्लोबल ब्रांड्स और ट्रेंड्स को अपने ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचएंडएम इंडिया की बिक्री प्रबंधक, यानिरा रामिरेज ने कहा कि आजियो के मजबूत डिजिटल मंच और उसकी व्यापक पहुंच से कंपनी को भारतीय बाजार में लाभ मिलेगा।

अस्त्र-शस्त्र, शास्त्र,सनातन चारों ही जरूरी- महंत परमेंद्र नाथ महाराज

13 अक्टूबर को विश्वकर्मा एसोशिएशन भवन में आयोजित होगा शस्त्र पुजन कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के प्रदेश प्रवक्ता राव दिलीप सिंह परिहार ने बताया कि महासभा द्वारा 13अक्टूबर को विश्वकर्मा एसोसिएशन भवन जयपुर में विजय दशमी के उपलक्ष पर शस्त्र पूजन का भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें राजस्थान के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, अन्य जगह से भारी संख्या में लोग पधारने की संभावना है कार्यक्रम निमंत्रण की शुरूआत प्रदेश अध्यक्ष डॉ रूपक सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष राव भान सिंह रामपुरा ने बढ़ पिपली बालाजी धाम के महंत श्री परमेंद्र नाथ महाराज जी को तलवार भेंट कर की श्रीमंत महंत ने कहा सनातन धर्म में शास्त्र के साथ-साथ आत्मरक्षा के लिए शस्त्र की विद्या भी जरूरी है तथा कार्यक्रम सफलता के लिए आशीर्वाद दिया जयपुर के झोटवाड़ा में स्थित बढ़ पिपली बालाजी धाम बहुत ही सिद्ध स्थान है जहां हजारों भक्त ने अपनी समस्या एवं पीड़ा लेकर आते हैं जो बालाजी एवं श्रीमंत महंत के आशीर्वाद से अपने दुखों का निवारण के लिए धाम आते हैं हजारों भक्त अपनी पीड़ा से मुक्त हो चुके हैं । कार्यक्रम कि सफलता हेतु पुरूष एवं महिला इकाई द्वारा निरंतर कदम बढ़ाते हुए निमंत्रण देने में जुटे हुए हैं।

राष्ट्रीय रक्तदान दिवस पर पोस्टर प्रदर्शनी आज से

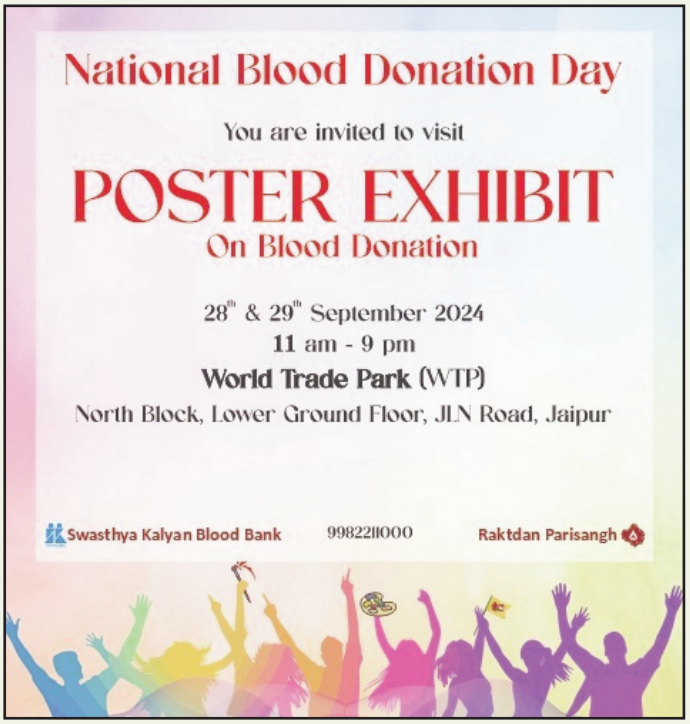

जयपुर. शाबाश इंडिया

रक्तदान परिसंघ एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय रक्तदान दिवस, 1 अक्टूबर के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न स्कूलों में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और नई पीढ़ी में जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजित पोस्टर कंपटीशन प्रतियोगिता के छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए पोस्टर्स की प्रदर्शनी 28 एवं 29 सितम्बर को जेएलएन मार्ग स्थित वर्ल्ड ट्रेड पार्क में आयोजित की गई है। आम जन के लिए यह प्रदर्शनी सुबह 11 बजे से रात के 9 बजे तक खुली रहेगी। रक्तदान परिसंघ और स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रदर्शनी के लिए स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए क्रिएटिव पोस्टर्स का निर्माण किया गया है जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया है। स्वास्थ्य कल्याण समूह के अध्यक्ष डॉ. एस एस अग्रवाल ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान के लिए नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस पोस्टर कंपटीशन में चयनित प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले बच्चों को क्रमशः 51 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपये के पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके अलावा 5100 रुपये के 10 सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। आयोजन अध्यक्ष सुनील मित्तल, संजय खवाड़ को. आयोजन सचिव, अजय गुप्ता को. संयोजक एवं शुभम अग्रवाल को समन्वयक ने बताया कि प्रदर्शनी में 50 स्कूलों के विद्यार्थियों की 6437 प्रविष्टियां शामिल की गई हैं। पुरस्कार के लिए अनूप भरतरिया चेयरमैन वर्ल्ड ट्रेड पार्क की अध्यक्षता में ज्यूरी समिति का गठन किया गया है, ब्रांड बैलेंस की संस्थापक एवं डिजाइनर श्रीमती आंचल गुप्ता एवं पिच्चिका की संस्थापक एवं आर्टिस्ट सुश्री उर्वशी सेठी को ज्यूरी समिति का सदस्य नामित किया गया है । यह समिति विजेताओं का चयन करेगी। प्रतियोगिता के चयनित स्कूलों और स्टूडेंट को 1 अक्टूबर 2024 को आयोजित भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

आनन्द अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक

सीबीएसई द्वारा ''कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम'' के अंतर्गत ''एक्टिव लर्निंग कार्यशाला'' का आयोजन

महावीर पब्लिक स्कूल के सभागार में हुआ भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 27 सितम्बर , शुक्रवार को महावीर पब्लिक स्कूल के सभागार में प्रातः 8:30 बजे से सांय 5:30 बजे तक अध्यापकों के लिए सीबीएसई द्वारा ''कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम'' के अंतर्गत 'एक्टिव लर्निंग कार्यशाला' का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने सीबीएसई रिसोर्स पर्सन श्रीमती प्रीति माथुर, प्रिंसिपल, कपिल ज्ञानपीठ स्कूल जयपुर व श्री आर.के. श्रीवास्तव प्रिंसिपल, महेश्वरी पब्लिक स्कूल,अजमेर के साथ मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन करके कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्राचार्या ने दोनों रिसोर्स पर्सन को छोटे-छोटे पौधे भेंट करके उनका स्वागत किया। वर्कशॉप में सक्रिय शिक्षण के अंतर्गत नई तकनीकी से बच्चों की शिक्षा, शिक्षा में समता का समावेश, व्यवसायिक शिक्षा का नवीन आकलन, भारतीय भाषाओं,कला और संस्कृति का संवर्धन,शिक्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग एवं एकीकरण, ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा, शिक्षा का सार्वभौमिकरण आदि विषयों पर व्याख्यान दिया गया। इसके साथ ही बच्चों को रुचिकर तरीकों से किस तरह से पढ़ाया जाए कि उनका शिक्षण अधिगम क्षणिक न होकर स्थायी रहे तथा दिन- प्रतिदिन बच्चे के शारीरिक विकास के साथ-साथ उसका बौद्धिक विकास भी होता रहे। विभिन्न प्रकार के खेलों और क्रियाकलापों के माध्यम से विभिन्न बौद्धिक स्तर के विद्यार्थियों का शिक्षण किस तरह से किया जाए कि बच्चे के लिए भविष्य में विभिन्न व्यवसायों के रास्ते खुलें आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। यह कार्यशाला अध्यापकों के लिए बहुत ही रुचिकर और उपयोगी रही। इस कार्यशाला में करीब 60 अध्यापक एवं अध्यापिकाओं ने भाग लिया। प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने इस कार्यशाला को विद्यार्थियों के उत्कृष्ट अधिगम एवं सर्वांगीण विकास हेतु अत्यंत उपयोगी बताया और कहा कि इससे विद्यार्थी अवश्य ही लाभान्वित होंगे। कार्यशाला के अंत में प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने दोनों रिसोर्स पर्सन को स्मृति चिन्ह भेंट करके उनको धन्यवाद ज्ञापित किया।

गांव धौलपालिया में निफा ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। गांव धौलपालिया के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आज अंतरराष्ट्रीय संस्था निफा द्वारा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत निफा टीम ऐलनाबाद के अध्यक्ष सैन सुंदर ठाकुर ने की। इस अवसर पर सुंदर ठाकुर ने बताया कि निफा के राष्ट्रीय चैयरमेन सरदार प्रितपाल सिंह पन्नू के दिशा निर्देशन में निफा के रजत जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत भारतवर्ष में विभिन्न प्रकार की सामाजिक गतिविधियों का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि निफा ने पूरे भारत में रजत जयंती कार्यक्रम के उपलक्ष में खेलकूद प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर, महिला उत्थान, पौधा रोपण, स्वीप मतदान जन जागरूकता अभियान आदि सांस्कृतिक उत्सव सहित अनेको सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज सेवा के कार्य कर रही है। कार्यक्रम में प्रथम खेल महाकुंभ रानिया में दो दिवसीय प्रतियोगिता में धौलपालिया की खो खो टीम द्वारा प्रथम स्थान हासिल करने पर इंचार्ज रायसिंह गोदारा व दिनेश भोजक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया व सभी खिलाडियों को मोमेंटो भेंट किया गया। इस अवसर पर रायसिंह गोदारा इंचार्ज, दिनेश कुमार, भोजक प्रशिक्षक, गौरी शंकर पीजीटी, ताराचंद प्रवक्ता, राजबाला प्रवक्ता, कविता प्रवक्ता, राजपाल प्रवक्ता, ओमप्रकाश भी मौजूद थे।

जन-जन की आस्था का केंद्र बनने जा रहा है सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान की पावन धरा पर चैत्यालय में विराजमान प्रतिक जैन सेठी ने बताया कि अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य सुमत जैन राकेश जैन नरेंद्र जैन प्रदीप जैन देवेंद्र नगर मध्य प्रदेश सपरिवार ने प्राप्त किया। प्रभु भक्ति में झूमते नाचते हुए भक्तों ने अष्ट द्रव्यमय अर्घ्य समर्पित किए। तत्पश्चात भगवान शांतिनाथ जी की शांतिधारा की। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की शांतिधारा करने का सौभाग्य मुंबई से पधारे हुए महानुभाव रविंद्र गरीबे सपरिवार को प्राप्त हुआ। आराधना के इस सिलसिले में भक्तों ने संगीत भजन के माध्यम से उल्लास पूर्वक भगवान की स्तुति आराधना सम्पन्न की। पूज्य माताजी ने भक्तों को आशीर्वचन देते हुए कहां की श्रद्धा भक्ति विनय का साक्षात फल इहलोक और परलोक में भी मिलता है। हम जितनी ज्यादा भक्ति-अर्चना करते हैं,उतना ही अपने कर्मों का क्षय कर अनंत सुखों को प्राप्त करने का पुरुषार्थ करते हैं।भगवान की भक्ति करने से सांसारिक सुख तो प्राप्त होते ही है उसी के साथ मोक्ष सुख को प्राप्त करने वाली यह भक्ति नीतिज्ञ पुरुषों के जीवन की आवश्यक प्रक्रिया है। शांति प्रभु के दरबार में श्रद्धा भक्ति सहित चालीसा एवं शांति मंत्र की जाप करता है उसके सारे कष्ट संकट स्वयं ही दूर हो जाया करते हैं। इसलिए जन-जन की आस्था का केंद्र बनने जा रहा है। आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य मालवीय नगर जैन समाज के जिनेंद्र मारोठ वाले, शांतिलाल मिथलेश जैन एवं पंडित विमल बनेठा ने प्राप्त किया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम,हैदराबाद. शाबाश इंडिया।
सोच का अंधेरा, रात के अंधेरे से भी ज्यादा खतरनाक होता है..! इसलिए चिन्ता नहीं चिन्तन करो। सोच को सकारात्मक रखो। ये पंचम काल है।
यहाँ दीदार के बिना प्यार नहीं।
मतलब के बिना रिश्तेदार नहीं।

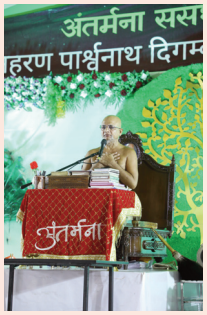

झूठी खबरों के बिना अखबार नहीं। जो पीछे से ना चले वो तलवार नहीं। मैं जानता हूँ एक मेंढक को --? एक मेंढक पहाड़ की चोटी पर चढ़ने का सोचता है। आगे बढ़ता है, बाकी के सारे मेंढक शोर मचाने लगते हैं। यह असंभव है, आज तक कोई नहीं चढ़ा, ये असंभव है। नहीं चढ़ पाओगे। मगर मेंढक आखिर, पहाड़ की चोटी पर पहुँच जाता है। जानते हैं क्यों--? क्योंकि वह मेंढक बहरा होता है। और सारे मेढ़कों को चिल्लाते देख सोचता है कि सारे मेरा उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसलिए अगर आपको अपने लक्ष्य पर पहुँचना है तो नकारात्मक लोगों के प्रति बहरे हो जाओ, तभी मंजिल तक पहुँच पाओगे। नहीं तो यह दुनिया ना चलती है, ना चलने देती है। ना जीती है, ना जीने देती है...।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

प्रधानमंत्री की संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम से प्रभावित युवाओं ने ग्राम विकास की छेड़ी मुहीम

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। समीप के गांव सनेट के पूरा के सैकड़ों युवा ने प्रधानमंत्री मोदी के "संकल्प से सिद्धि" कार्यक्रम से प्रभावित होकर अपने गांव के विकास की मुहिम छेड़ी है। गांव के 130 से अधिक युवाओं ने मिलकर अपने गाँव के सर्वांगीण विकास एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से ?संकल्प ग्राम विकास समिति? का गठन किया है। उत्तराखंड बेच के सीनियर आई एफ एस धर्म सिंह मीना ने बताया कि गांव सनेट ने युवाओं ने ग्रामीण विकास के सपने को साकार रूप देने के उद्देश्य से संकल्प ग्राम विकास समिति का गठन किया है जिसमे संस्था का विजन अपने गांव सनेंट का पुरा गाँव सहित गांव के प्राकृतिक संसाधनों जल, जंगल, जमीन, पर्यावरण व जैव-विविधता का विकास एवं भविष्य हेतु उनका संरक्षण करना तथा संपूर्ण मानव समाज के सवार्गीण विकास व उत्थान हेतु जन-सहभागिता सिद्धांत को सुव्यवस्थित, सुनियोजित, क्रमबद्ध, व्यवहारिक एवं क्रियान्वित करते हुए समाज और सरकार की परस्पर सहभागिता से ग्राम निर्माण से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना है। संकल्प से सिद्धि इस समिति की मूल भावना होगी।

ये होंगे ग्राम विकास संस्था के उद्देश्य

गांव सनेट के पूरा के सैकड़ो युवाओं ने मिलकर घर घर जनसंपर्क कर ग्राम की समस्याओ की चिन्हित कर आवश्यकता को द्रष्टिगत कर गांव के संसाधनों का भरपूर उपयोग आमजन के हित में करने की कार्य योजना बनाई है जिसमें ग्राम का विकास करने का संकल्प लिया है संस्था का मुख्य उद्देश्य गांव का सुनियोजित विकास ओट पुनरुत्थान करना ,गाँव में कृषिकरण एवं आजीविका संवर्धन के साथ रोजगार कर अवसर उपलब्ध करना। गांव में अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ,चिकित्सा और स्वास्थ्य के साथ गांव के वनों को पुनर्जीवित करने हेतु वृहद स्तर पर अच्छी प्रजातियों के उपयोगी वृक्षों का रोपण करवाना। भाईचारे एवं सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों, त्योहारों एवं वार्षिक मेलों का आयोजन करवाना। क्षतिग्रस्त सड़क मार्गो का पुनर्निर्माण एवं गाँव एवं समुदाय के अधिकारों और हितों की वकालत करना। ग्राम विकास का मास्टर प्लान तैयार करवाना। सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण को चिन्हित कर हटवाना सहित ईलाइब्रेरी, नागरिक सुविधा केंद स्थापित करना मुख्य होंगे। गांव सनेट के युवा शक्ति ने संकल्प लेकर गांव की चारागाह सहित शिवायचक किस्म की भूमि को कब्जा मुक्त करने के साथ गभीर नदी क्षेत्र की गैर मुमकिन नदी किश्म की कई एकड़ जमीन जिस पर कई बीघा जमीन पर अवैध अतिक्रमण कि भरमार है। युवाओं ने अपने मास्टर प्लान में गांव की सार्वजनिक संपत्ति का संरक्षण के साथ-साथ चारागाह भूमि को कब्जा मुक्त करने का दृढ़ संकल्प लिया है गांव के सैकड़ो युवा जो भारतसरकार और राज्य सरकार में उच्च पदों पर आसीन है ये सभी मिलकर ग्राम विकास के संकल्प को सिद्ध करने के उद्देश्य से साथ मिलकर गांव की तस्वीर और तकदीर बदलने के लिए एकजुट हुए हैं।

महान आत्माएं वो होती है जो महान गुणों को धारण करती हैं: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

सागर शहर की सड़कों पर निकाली विशाल रैली, महिला अधिवेशन के समापन पर विष्टिजनों को किया सम्मानित

सागर. शाबाश इंडिया

महान आत्माएं वो होती है जो महान गुणों को धारण करती हैं दूसरी वे आत्मायें होती है जिन्हें दुनिया के हर जीव में महानता दिखती है। ऐसे ही सज्जन आदमी भी होते हैं जो दुर्जनता से रहित होते हैं लेकिन कुछ सज्जन ऐसे होते है जिनकी दृष्टि में स्वयं तो दुर्जन नजर आता है और सारा जगत सज्जन नजर आता है। ऐसी जो दूसरे नम्बर की महान आत्माओं की परिभाषा है वह बड़ी विचित्र है- स्वयं गुणवान होकर गुणहीन की अनुभूति, ऐसी आत्माये तीर्थंकर भगवान बनने का अधिकार रखती है। स्वयं के लिए तो दुनिया कमाती है, कभी दूसरों के लिए कमाए, वो व्यक्ति महान में भी महान है। हम अभाव का उतना ही अनुभव करें जितना हम पा सकते है, ज्यादा अभाव का अनुभव करने से वर्तमान का सुख खत्म हो जाता है उक्त आश्य के उद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में महिला सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुनिपुगंवश्री सुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

आज से होगा श्रमण संस्कृति राष्ट्रीय पाठशाला अधिवेशन का शुभारंभ : विजय धुर्रा

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने इस सागर चातुर्मास में सभी वर्गों को कुछ ना कुछ दिया है जहां ऐतिहासिक श्रावक संस्कार शिविर में देशभर से भक्तों को साधना के साथ संस्कार प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ वहीं राष्ट्रीय महिला अधिवेशन सम्पन्न होने जा रहा है वहीं वच्चो को संस्कारित शिक्षा देकर उनके उज्जवल भविष्य को बनाने हेतु अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति पाठशाला का भव्य आयोजन कल 28 सितम्बर को ध्वजारोहण के साथ होने जा रहा है जिसके संयोजन का जिम्मा सांगानेर के प्रदीप शास्त्री और पूरी टीम कई दिनों से तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हैं पाठशाला सम्मेलन के दौरान परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के विशेष उद्बोदन के साथ ही पाठशालाओं दारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुत की जायेगी इसके साथ ही देशभर में चलने वाली पाठशालाओ के संदर्भ में परिचर्चा के साथ ही अन्य कार्यक्रम होंगे वहीं 29 सितंबर को सागर शहर के प्रमुख मार्गों से भव्य विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें सभी पाठशालाओ की शिक्षाओं दारा अपनी अपनी प्रस्तुति भी दी जायेगी। श्रमण संस्कृति महिला एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन पर श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतिम वर्ष की छात्राओ को शास्त्री आचार्य की डिग्री से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के समक्ष श्रीमति आशा रानी पंड्या अमेरिका इन्दौर श्रीमति सुशीला पाटनी आर के मार्वल श्रीमति अमीता कटारिया अहमदाबाद श्रीमति शीला डोडिया जयपुर श्रीमति इन्दु गांधी अशोक नगर श्रीमति शालनी बाकलीवाल जयपुर श्रीमति मधुशाह पुणे सहित अन्य प्रमुख जनो को उनकी विष्टि सेवाओ के लिए सम्मानित किया गया। इसके पहले देशभर से पहुंचे महिला मंडल द्वारा भव्य विशाल चल समारोह सागर शहर के प्रमुख मार्गों से निकला गया इसमें विभिन्न भेस भूसाओ में अपने प्रदर्शन को करते हुए भव्य शोभायात्रा निकाली।

मैं जो कुछ भी कर रहा हूं अपने लिए ही कर रहा हूं

इस दौरान समारोह को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि जो दूसरों की चिंता करता है वह अधम से भी अधम है इसलिए जैनदर्शन ने बहुत अच्छी कला दी कि तुम जो कुछ भी दूसरों के लिए करो उसमें धारणा बना लो, मैं दूसरे के लिए कुछ कर ही नही रहा हूँ, मैं तो सबकुछ अपने लिए कर रहा हूँ। मैं दूसरे को नमोस्तु भी कर रहा हूँ तो मैं नमोस्तु नही कर रहा हूँ, उच्च गोत्र का बंध कर रहा हूँ। मैं तुम्हे प्रवचन नही दे रहा हूँ, मैं तो अपना स्वाध्याय कर रहा हूँ, उपदेश एक स्वाध्याय में आता है, स्वाध्याय में सबसे ज्यादा अपने चिंतन की पुनरावृत्ति होती है, उसी कारण से असंख्यात गुणी कर्मों की निर्जरा होती है जैसे दर्पण मैं देखने वाला कहता है कि जरा दर्पण देख लूं। @ पेज 16 पर

महान आत्माएं वो होती है जो महान गुणों को धारण करती हैं: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

धर्म के कार्यक्रमों में कभी थकान महसूस मत करना

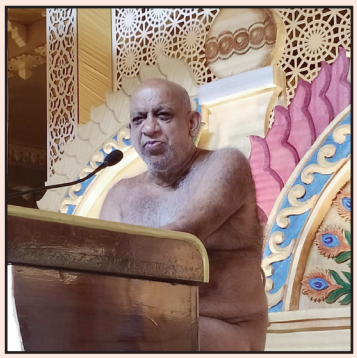

सागर. शाबाश इंडिया

उन्होंने कहा कि जिस धर्म की क्रिया करने में थकान महसूस हो, विराम का भाव आए बस अब बहुत हो गया, समझ लेना वह धर्म हुआ ही नहीं। किसी भी धर्म की क्रिया चाहे पूजा हो, दान हो, प्रवचन हो, आपका व्रत हो, रात्रिभोजन का त्याग हो, दूसरो के ऊपर उपकार हो, इन सब मे थकान आने लगे, समझना तुमने धर्म किया ही नही है। धर्म कार्य के बाद तुम थके हुए नजर आते हो क्योंकि तुमने सब कुछ धर्म के लिए किया है और धर्म तुमसे भिन्न है, धर्म तो भगवानों का है, धर्म तो गुरु का है।आज इतना धर्म हो रहा है, इतना धर्म मैंने विगत 50 साल पहले नही देखा, कितने मन्दिर बन रहे, कितना दान हो रहा है, कितने कार्यक्रम हो रहे है लेकिन लाभ नही दिख रहा, मात्र तुम्हारे मन मे धर्म के लिए कुछ करने का मन हुआ है, उसमे तुम्हे अपने जीवन मे ऐसा महसूस नही हुआ कि मैं कुछ अपने लिए कर रहा हूँ।सारंग के समय तुम दुकान में थकते नही हो क्यों? वहाँ तुम्हे सीधा लाभ दिख रहा है। यहाँ प्रत्यक्ष लाभ नही दिख रहा है जो व्यक्ति जिस चीज को पसंद नहीं करता है, असमर्थ होता है, वह व्यक्ति उस चीज की बुराई करता है, स्वयं नही करेगा, दूसरे को भी नही करने देगा और जो करेगा उसकी बुराई करेगा, ये नेचर है सारी दुनिया का, ये चाणक्य नीति है। ऐसा करना गुण भी है और दुर्गुण भी। जब कोई बुरे कार्यों में लगाता है कि मैं नही कर रहा हूँ तो बेटे को भी नही करने दूँगा तो ये लक्षण अच्छा है, औषधि बन गया ये गुण। निंदा का, बुराई का गुण औषधि बन गया। बुरे कार्यो की बुराई करना भी धर्म है। अब अच्छे कार्य है, करना चाहता है लेकिन कर नही पा रहा है इसलिए वो बुराई करने लग जाता है।

हमें दूसरों से इर्ष्या नहीं करना है

उन्होंने कहा कि तुम्हारे पास झोपड़ी है और बाजू में मंजिल की मंजिल उठती जा रही तो तुम्हे क्या भाव आएगा, 99% ईर्ष्या भाव। हम धर्म नही कर पा रहे है कोई बात नही, इसने किया है, जय जिनेन्द्र कर लो। मैं दान नही दे पा रहा, इसने दिया है जय जिनेंद्र कर लो। तुम मंदिर नहीं जाओ तो कोई बात नही, तुम्हारा पड़ोसी मंदिर जाता है, उसी को जय जिनेन्द्र कर लिया करो तो भी तुम्हारा बेड़ा पार हो जाएगा। पहले लोग शिखर जी नही जा पाते थे तो वे जो शिखरे से लौटते थे उसकी अगवानी करते थे, उसकी वंदना शिखर जी की वंदना के बराबर मानते थे। मैं सबकुछ अपने लिए कर रहा हूँ, ये सब मेरा ही कार्य है। भगवान का मंदिर नही बन रहा है, मेरा कार्य हो रहा है, मेरे कर्मो की निर्जरा का आलय बन रहा है, मेरी पूजा करने का स्थान बन रहा है, मुझे लाभ होगा, भगवान को कोई लाभ ही नही। प्रत्येक वस्तु के प्रत्येक धर्म की क्रिया पर अपनी आत्मा को स्थापित कर दो तो शरीर कितना ही थका हुआ दिखेगा लेकिन तुम्हारा उत्साह थका हुआ नही दिखेगा।

प्रथमाचार्य शान्ति सागर महाराज का आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी महोत्सव का होगा भव्य शुभारंभ, निवाई में आचार्य शांतिसागर महाराज की मूर्ति पहुंची

निवाई. शाबाश इंडिया

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवती आचार्य शान्ति सागर महाराज का सम्पूर्ण देश भर मे मनाये जाने वाला आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी महोत्सव का भव्य शुभारंभ 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 को राजस्थान की धर्म नगरी पारसोला मे बडे ही धूमधाम से होने जा रहा है। जैन समाज के मिडिया प्रभारी विमल जौला एवं राकेश संधी एवं हितेश छाबड़ा ने बताया की सदी के प्रथमाचार्य जिन्होंने श्रमण सस्कृति को पुनः जीवंत कर देश मे जैन धर्म की ध्वज पताका फहराने मे महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जैनाचार्य शान्ति सागर महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापना के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर उन्ही की अक्षुण मूल पट्ट परम्परा के पंचम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधी आचार्य वर्धमान सागर महाराज के ससंघ सानिध्य मे सम्पूर्ण देश भर मे वर्ष भर तक मनाये जाने वाले ऐतिहासिक शताब्दी महोत्सव का भव्य शुभारंभ राजस्थान के पारसोला नगर मे 13 अक्टूबर को होने जा रहा है। वात्सल्य वारिधी भक्त परिवार के पवन बोहरा व सुशील गिन्दोडी ने बताया की महोत्सव मे देश भर के लाखो श्रावको की सहभागिता के मध्यनजर महोत्सव समिति ने जोर शोर से तैयारियां आरम्भ कर दी जिसको लेकर महोत्सव समिति के पदाधिकारियों का एक दल निवाई भी पहुंचा और सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई को महोत्सव हेतु आमंत्रित किया। इस दौरान सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा आमंत्रित श्रद्धालुओं

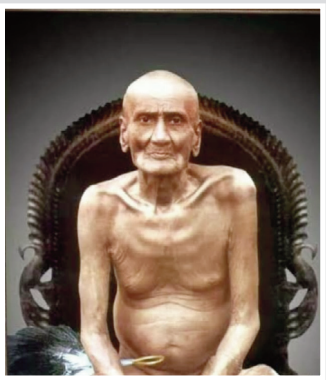

का स्वागत अभिनन्दन किया गया। जैन धर्म प्रचारक एवं मिडिया प्रभारी विमल पाटनी ने बताया की विश्वप्रसिद्ध भगवान-बाहुबली की गगनचुम्बी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक महोत्सव मे लगातार तीन बार सानिध्य प्रदान करने वाले आचार्य शिरोमणि वर्धमान सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित होने वाले इस शाताब्दी महोत्सव में निवाई से भी सेकड़ो गुरु भक्तो के जाने की सम्भावना हे उल्लेखनीय हे की पंचम पट्टाचार्य वर्धमान सागर महाराज संघ से निवाई समाज का विशेष लगाव रहा हे वर्ष 1979 वर्ष 2000 के प्रवास के साथ ही निवाई का विशेष जुड़ाव रहा।